जिस नैया के श्याम धणी हो खुद ही खेवनहार लिरिक्स

जिस नैया के श्याम धणी हो,
खुद ही खेवनहार,
वो नैया पार ही समझो,
बिना पतवार ही समझो।bd।

तर्ज – स्वर्ग से सुन्दर।

तूफान में कश्ती चाहे,
हिचकोले खाये,
भंवर के थपेड़े चाहे,
जितना डराये,
जग का खेवनहारा थामे,
खुद जिसकी पतवार,
वो नैया पार ही समझो,
बिना पतवार ही समझो।bd।

माझी बनेगा जब ये,
सांवरा तुम्हारा,
मझधार में भी तुझको,
मिलेगा किनारा,
जिसका रक्षक बनकर बैठा,
लीले का असवार,
वो नैया पार ही समझो,
बिना पतवार ही समझो।bd।

'हर्ष' तू जीवन की नैया,
इसको थमा दे,
इसके भरोसे प्यारे,
मौज तू उड़ा ले,
हाथ पकड़ ले जब ये तेरा,
फिर किसकी दरकार,
वो नैया पार ही समझो,
बिना पतवार ही समझो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
जिस नैया के श्याम धणी हो,

खुद ही खेवनहार,
वो नैया पार ही समझो,
बिना पतवार ही समझो।bd।

गायक – मनोज ठठेरा।
9887101010

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com